# केन्द्रीय विद्यालय संगठन
## एरणाकुलम संभाग
### प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – संकलित मूल्यांकन 2 – 2013–2014
### विषय: हिन्दी अ

## कक्षा: दसवीं

पूर्णांक: **90**
समय : **3** घंटे

**सामान्य निर्देश ः—**

- **कृपया जॉच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 16 प्रश्न हैं।**
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का कमांक अवश्य लिखें।**
- **इस प्रश्न पत्र को पढने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है।**
- **इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं — 'क', 'ख', 'ग', 'घ'।**
- **चारों खण्डों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।**

## खण्ड क

**I) निम्नांकित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए ः—** **1× 5 =5**

विश्व का वर्तमान उन्नत रूप मानव श्रम की ही कहानी कह रहा है। गगनचुंबी अट्टालिकाएँ, लंबी-चौड़ी सड़कें, बड़े-बड़े विशाल नगर, आकाश में उड़ते वायुयान तथा मानव जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने में योगदान करने वाले ज्ञान-विज्ञान के अनन्त रूप— ये सभी मनुष्य के श्रम का जयघोष करते हैं। स्पष्ट है कि मनुष्य और उसका शरीर विधाता की अनुपम रचना है जो निश्चय ही महान उद्देश्यों की समपूर्ति के लिए दिया गया है। इस दुर्लभ तन को यदि हम आलस्य, प्रमाद अथवा घटिया कामों में गँवा देते हैं तो उसे विधाता के प्रति अन्याय करते हैं।

**1.** वर्तमान विश्व का उन्नत रूप किसका परिणाम है?

क) मानव श्रम का　　ख) धन का
ग) विकासशील देशों के विकास का　　घ) विकसित देशों की समृद्धि का

**2.** मानव जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने में किसका योगदान है?

क) विकसित देशों का।　　ख)ज्ञान-विज्ञान के अनन्त रूपों का
ग )भगवान का　　घ) किसी का नहीं

**3.** मनुष्य श्रम का जयघोय करने वालों में सम्मिलित हैं

क) विशाल नगर　　ख)उड़ते वायुयान
ग) गगनचुंबी अट्टालिकाएँ　　घ) उपर्युक्त सभी

**4.** हम विधाता के प्रति कब अन्याय करते हैं?

क) महान उद्देश्यों की समपूर्ति के लिए तन को लगाते हैं　　ख)ईश्वर से दूर हो जाते हैं
ग) हम आलस्य,प्रमाद अथवा घटिया कामों में तन को गँवा देते हैं　　घ) धार्मिक कट्टर बन जाते हैं

**5.** गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) मानव श्रम　　ख़)अविश्वास
ग)विधाता के प्रति अन्याय　　घ)उपर्युक्त तीनों।

**II) निम्नांकित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए ः—** **1× 5 =5**

एक समय था जब पानी सब जगह मिल जाता था। इसलिए इसे कोई महत्व नहीं दिया जाता था। लेकिन तेज़ी से बढ़ती हुई जनसंख्या और जीवन - शैली में आए परिवर्तन के कारण जल अब दुर्लभ हो गया है। इसी दुर्लभता के कारण जल का आर्थिक मूल्य बहुत बढ़ गया है। अब तक जल की प्रमुख माँग फसलों की सिंचाई के लिए होती थी। लेकिन अब उद्योगों और घरेलू उपयोग के लिए भी जल की बहुत आवश्यकता है। इसलिए जल अब एक बहुमूल्य संसाधन बन गया है। नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की माँग बिलकुल अलग-अलग तरह की होती है। आइए, सबसे पहले नगरीय क्षेत्रों में जल की समस्या का अध्ययन करें।

नगरीय क्षेत्रों में सामान्यतः जल का एक ही स्रोत होता है और उसी से सभी की आवश्यकताएँ पूरी होती हैं। नगरीय क्षेत्रों में जल, झीलों या कृत्रिम जलाशयों या नदियों या नदी के तल में गहरे खोदे गए कूओं या नलकूपों से लाकर इकट्ठा किया जाता है। कभी-कभी जल के लिए इन सभी क्षेत्रों का उपयोग किया जाता है। इन क्षेत्रों को लेकर पहले उसमें क्लोरीन जैसे रसायन मिलाकर उसे स्वच्छ किया जाता है। इसके बाद वह पीने के लिए सुरक्षित बन जाता है।

**1.**पहले सब स्थानों पर सुलभ जल, अब दुर्लभ हो गया क्योंकि **1**

(क)जल की बरबादी अधिक होने लगी (ख)जीवन शैली में परिवर्तन आया।

(ग)वर्षा कम होने लगी। (घ)जल स्रोत कम हो गए।

**2.**दुर्लभता के कारण जल का कौन-सा मूल्य बढ़ गया ? **1**

(क)सामाजिक (ख)जीवनदायी

(ग)आर्थिक (घ)धार्मिक

**3.** जल पीने के लिए कब सुरक्षित बन जाता है ? **1**

(क)क्लोरीन मिलाने से (ख)नाइट्रोजन मिलाने से

(ग)कार्बन डाइआक्साइड मिलाने से (घ)आक्सीजन मिलाने से

**4.**'सुरक्षित' में 'सु' उपसर्ग है, नीचे दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए कि किस में 'सु' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है- **1**

(क)सुकन्या (ख)सुशील

(ग)सुंदर (घ)सुयश

**5.**उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है - **1**

(क)कृषि का महत्त्व (ख)क्लोरिन जल की समस्या

(ग)बहुमूल्य संसाधन फसल (घ) जल का महत्व

**III) निम्नांकित पद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए ः—** **1× 5 =5**

कहती है सारी दुनिया जिसे किस्मत,
नाम है उसका हकीकत में मेहनत।
जो रचते हैं, खुद अपनी किस्मत, वे कहे जते हैं साहसी,
जो करते हैं, ईश्वर से शिकायत, वे कहे जते हैं आलसी,
जो रुक गया, मिट गया उसका नामो-निशाँ,

जो चलता रहा, अपनी मंजिल वो पा गया।
खुशी के हकदार हैं वही, जिन्होंने दुख को सहा,
छोड़ के दामन फूलों का, काँटों की राह को चुना।
निराशा का अंधकार मिटाकर, आशा के दीप जलाओ,
छोड़ भाग्य की दुहाई, अपनी किस्मत स्वयं बनाओ।

**1.**वास्तव में किस्मत किसे कहते है?

क) सेहत को ख) रहमत को
ग) मेहनत को घ) सहारे को

**2.**जो अपनी किस्मत रचते हैं, उन्हें क्या कहते हैं?

क) साहसी ख) आलसी
ग) मेहनती घ) सन्यासी

**3.**उसका क्या हाल होता है, जो रास्ते में रुक जाता है?

क)वह सफल हो जाता है ख) अपनी किस्मत बनाता है
ग)वह आराम कर पाता है घ)उसका नामो-निशाँ मिट जाता है

**4.** खुशी का सच्चा हकदार कौन है?

क) सुख लेने वाला ख) दुख लेने वाला
ग) सुख देने वाला घ) दुख देने वाला

**5.** अपनी किस्मत किस प्रकार बनाई जा सकती है?

क) भाग्य की दुहाई छोड़ने पर ख) कर्म की दुहाई छोड़ने पर
ग) धर्म की दुहाई छोड़ने पर घ) मर्म की दुहाई छोड़ने पर

**IV) निम्नांकित पद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए ः—** **1× 5 =5**

विदा करो माँ, जाते हैं हम विजय-ध्वजा फहराने आज,
देश स्वतंत्र बनाने जाते, हम निज शीश चढ़ाने आज
वीर प्रसू तू रोती क्यों है, सत्य अहिंसा मेरे साथ।
मलिन वेष यह, आँसू कैसे, कंपित होता है क्यों गात?
तेरे चरणों की रज लेकर जाते हैं करने रण-रंग
फिर भय किसका है ए जननी, निश दिन रहे हमारे संग
अहिंसात्मक सत्याग्रह की बाजेगी रणभेरी आज
तब रिपुदल सब यही कहेगा, तुम लो देश सँभालो आज

**1.**कवि कहाँ जाने के लिए माँ से आज्ञा माँग रहे है?

(क) सत्याग्रह करने के लिए (ख)विजय ध्वजा फहराने के लिए
(ग) सुखों को प्राप्त करने के लिए (घ) विदेश में नौकरी करने के लिए

**2.**अपने बेटे को विदा करते समय माँ की क्या दशा हुई?

(क) भयभीत हो उठी (ख)हँसमुख चेहरा
(ग) मलिन वेष और आँखों में आँसू (घ) चुभन और खुशी

3. कवि किस कारण निर्भय होकर जा रहे हैं?

(क) सपनों का साथ होने के कारण (ख)धैर्यशाली होने के कारण

(ग) सेना बल होने के कारण (घ)माँ का आशीर्वाद साथ होने के कारण

4.भारतीय सैनिकों का धैर्य देखकर रिपुदल क्या कहेगा?

(क) अपना देश सँभालो (ख) तुम लोग कभी नहीं जीत पाओगे

(ग) हम तुम्हें नहीं छोडेंगें (घ) इनमें से कोई नहीं

5. 'रिपुदल' शब्द का अर्थ क्या है?

(क) सैनिकों का समूह (ख) मित्रों का समूह

(ग) दुश्मनों का समूह (घ) इनमें से कोई नहीं

## खण्ड ख

**V) रेखांकित शब्दों का व्याकरणिक परिचय दीजिए -** 1× 4 =4

1. शिवा दूध पी रहा था।
2. वह गर्म पूडियाँ खा रहा है।
3. कमरे के बाहर कोई खड़ा है।

**VI) क)**जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और एक या एक से अधिक उपवाक्य हों, उसे क्या कहते हैं? 1

**ख) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -** 1× 3 =3

1.धन आते ही कुछ लोगों को घमण्ड हो जाता है। (रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए)

2.बच्चे ने कुत्ता देखा और वह डर गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

3.आप जिस घर में खड़े हैं, वह मेरा है। (सरल वाक्य में बदलिए)

**VII) निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य बदलिए ः—** 1× 4 =4

1.महीन्द्र से गाड़ी रोकी जा रही थी।

2.मैं बैठ नहीं सकता।

3.यह मूर्तिकार सुन्दर मूर्तियाँ बनाएगा।

4.उनकी लिखी कहानियाँ चाव से पढ़ी जाती है।

**VIII)**

**क) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए ः—** 1× 4 =4

1. शशि-मुख पर घूँघट डाले, अंचल में दीप छिपाए
2. वह दीप शिखा-सी शांत भाव में लीन
3. ले चला साथ मैं तुझे कनक, ज्यों भिक्षुक लेकर स्वर्ण झनक
4. मैं और, और जग और, कहाँ का नाता

**IX) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ः—** 1× 4 =4

1.आप जिन्दगी को सुखी बनाना जानते हैं। ( रेखांकित शब्द का व्याकरणिक परिचय दीजिए)

2. रेखांकित उपवाक्य का प्रकार बताइए— जहाँ जहाँ हम गए, हमारी बड़ी खातिर हुई।

3.अनेक कवियों ने सुन्दर कविताएँ लिखी हैं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

4. 'श्लेष' अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।

## खण्ड ग

**X) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनिए — 1× 5 =5**

**क)** शहनाई की इस मंगल ध्वनि के नायक बिस्मिल्ला ख़ाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रके हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती हैA लाखों सज़दे इसी एक सच्चे सुर की इबादत में झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हैं - "मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसु निकाल आए।" उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरूद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

1. शहनाई की ध्वनि को 'मंगल ध्वनि' क्यों कहा गया है?

क) लोक गीतों में शहनाई का उल्लेख है
ख) इसका प्रयोग मांगलिक विधिविधानों में होता है
ग) यह मंदिर में बजाई जाती है
घ) यह त्योहारों पर बजाई जाती है

2. बिस्मिल्ला ख़ाँ को मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

क) केवल उनकी शहनाई से ही मांगलिक ध्वनि निकलती है
ख) उनकी शहनाई की ध्वनि श्रोता के लिए मंगलकारी है
ग) वे शहनाई वादन के नायक थे
घ) वे मांगलिक अवसरों पर शहनाई बजाते थे

3. ख़ाँ साहब कैसे सुर की प्रार्थना कर रहे हैं?

क) जो मधुर हो
ख) जिससे प्रसिद्धि मिलें
ग) जिससे अपार धन मिले
घ) जो सच्चा हो

4. 'आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसु निकालना' का आशय है—

क)हृदय पर संगीत के प्रभाव के कारण आँसुओं का निकलना
ख)संगीत रुलाता है
ग) संगीत सुनकर वेदना के बोझ से रो पड़ना
घ) आँखों से आँसुओं का बहना

5. "कर ले अपनी मुराद पूरी" — कौन सी मुराद की बात हो रही है?

क)झोली से निकले फल खाने की
ख)सच्चा सुर पाने की
ग) ईश्वर से मुलाकात करने की
घ)भारत-रत्न पुरस्कार पाने की

**अथवा**

**ख)**बड़े -बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे! गजब! इससे अधिक भयंकार बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़ती ओर न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करती। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने ही का कुफल है। समझे। स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पियूष का घूँट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टांतों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर

भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

1. 'छक्के छुड़ाना का अर्थ क्या है?

(क) बुरी तरह अपमानित करना (ख) संकट में डाल देना

(ग) बुरी तरह परास्त करना (घ) लज्जित करना

2. 'यह सब पापी पढ़ने का अपराध है' – इस कथन में क्या भाव हैं?

(क)सच्चाई (ख)तथ्य (ग) हास्य (घ)व्यंग्य

3. 'कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर .....' में किन लोगों के बारे में कहा गया है?

(क)भारत विरोधियों के बारे में (ख)स्त्री शिक्षा के विरोधियों के बारे में

(ग) समाज विरोधियों के बारे में (घ)हिन्दु धर्म के विरोधियों के बारे में

4. 'सहधर्मचारिणी' का अर्थ है—

(क)संग संग धर्म का आचरण करने वाली (ख)धर्म का साथ न देने वाली

(ग) संग संग धर्म का प्रचार करने वाली (घ)धर्म पर चलने वाली

5.प्रस्तुत गद्यांश से यह स्पष्ट है कि प्राचीन काल में नारी

(क)अशिक्षित थी (ख)शिक्षित थी (ग)गँवार थी (घ)अबोध थी

**XI) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए—** **2×5 =10**

1.आप कैसे कह सकते हैं कि उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक हैं?

2.आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने बौद्धों के 'त्रिपिटक' ग्रन्थ की रचना प्राकृत में होने क्या कारण बताया?

3.लेखिका मन्नू भण्डारी के लिए माँ का व्यक्तित्त्व कभी आदर्श क्यों नहीं बन सका?

4.'संस्कृति' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने संस्कृति और असंस्कृति के मूल मेम् क्या अंतर बताया है?

5.'एक कहानी यह भी' के आधार पर स्वाधीनता आन्दोलन में मन्नू भण्डारी की भूमिका को रेखांकित कीजिए।

**XII) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

**क)** यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए

क)संगतकार मुख्य गायक को कैसे समझाता है कि वह अकेला नहीं है? **2**

ख)संगतकार अपना स्वर ऊँचा क्यों नहीं उठने देता है? **2**

ग)कवि ने संगतकार के चरित्र की 'मनुष्यता' किसे कहा है? **1**

**अथवा**

**ख)** बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।

देखि कुठारु सरासन बाना।मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी।जो कछु कहहु सहौ रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधौ पापु अपकीरति हारे। मारतहू पा परिअ तुम्हारे।।
कोटि कुलिस सम वचन तुम्हारा।व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

क) लक्ष्मण ने कुम्हडम्बतिया का उदाहरण देकर किस प्रकार का व्यंग्य किया है? **2**

ख)लक्ष्मण ने अपने कुल की किस विशेषता का वर्णन किया है? **2**

ग) लक्ष्मण ने परशुराम से ऐसा क्यों कहा कि उन्हें हथियार की आवश्यकता नहीं है? **1**

**XIII) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2×5 =10**

1. 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' — कवि ने किस उद्देश्य से कहा है?
2. 'छाया मत छूना' कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
3. परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो अलग प्रतिक्रियाएँ हुई, उसके आधार पर उनकी स्वभावगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
4. कवि ने 'संगतकार' कविता में समाज के किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत किया है?
5. 'कन्यादान' कविता में माँ को बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही है?

**XIV)** "कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लैटा देती हैं।" इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है? **4**

**XV) निम्नलिखित में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2×3 =6**

1. 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!' पाठ के शीर्षक पर टिप्पणी कीजिए।
2. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस प्रकार महसूस किया? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।
3. कठोर हृदय की समझी जाने वाली दुलारी टुन्नू की मृत्यु पर विचलित क्यों हो उठी?
4. लेखिका ने गंतोक को मेहनतकश बदशाहों का शहर क्यों कहा है?

## <u>खण्ड घ</u>

**XVI)** दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर निबंध लिखिए — **5**

**क)खेल और हमारा स्वास्थ्य**

खेलों का महत्व ◈ जीवन कौशल की शिक्षा ◈ खेल और व्यायाम◈ खेलों की सार्थकता ◈ उपसंहार

**ख)वन और पर्यावरण**

प्रकृति की अनुपम देन ◈ प्रकृति और मानव का अटूट संबंध ◈ पर्यावरण संबंधी समस्याएँ ◈ उपसंहार

**ग)दूरदर्शन**

मनोरंजन का साधन ◈ ज्ञान वर्धन का माध्यम ◈ एकाकीपन का साथी ◈ तन–मन के लिए हानिकारक ◈ संतुलित उपयोग ◈ उपसंहार

**XVII)** छात्रावास में रहनेवाले छोटे भाई को एक पत्र लिखिए जिसमें योग और प्राणायाम का महत्त्व बताया गया हो और नियमित रूप से इनका अभ्यास करने का सुझाव भी दिया गया हो ।

**अथवा** **5**

आपके शहर में सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा बढ़ता ही जा रहा है। अपने राज्य के खाद्यमंत्री को पत्र लिखकर इस समस्या के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

।।।।।।।।।।।।। ।।।।।।।।।।।।